FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Research		Semester-I	Session 26-27
1	Course Code	HNGE-01	
2	Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	
3	Course Type	GE	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outscom (CLO)	1 विद्यार्थी साहित्येतिहास ,काल विभाजन एवं नामकरण संबंधी ज्ञान से 3 हो सकेंगें। 2 युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृतियों के आधार परसाहित्य समाज के अंतर्संबंधो को समझपाने में सक्षम हो सकेंगें। 3 युगीन सामाजिक सांस्कृतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में व्यापक दृष्टि की समझ का विकास हो सकेगा। 4 आदिकाल से रीतिकाल तक के संपूर्ण रचनाकारों की रचनाओं और विविध विषयों पर विश्लेषणात्मक विचारशीलता का विकास हो सकेगा। 5 हिंदी गद्य के आर्विभाव के प्रधान कारणों एवं परिस्थितियों को सकेंगे।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**हिंदी साहित्य का इतिहास, व कालविभाजन–** अ. आदिकालः हिंदीसाहित्य के इतिहासलेखन की परंपरा,समस्या ब. हिंदीसाहित्य के इतिहास का कालविभाजन व नामकरण	15
II	**आदिकाल–** अ. आदिकालः सामान्य परिचय प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि , सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य ब. रासो काव्य, लौकिक साहित्य, जैन साहित्य	15
III	**भक्तिकाल–** अ. भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि। निर्गुण भक्तिधारा (प्रेममार्गी, ज्ञानमार्गी) ब. सगुण भक्तिधारा (रामकाव्य, कृष्णकाव्य)	15
IV	**रीतिकाल–** अ. रीतिकालः सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियां व कवि ब. रीतिबद्ध ,रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा	15

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास–डॉ नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल–आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली